दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार, 14 मई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 225

महत्वपूर्ण एवं खास

केदारनाथ में जरूरत से ज्यादा बढ़ रही श्रद्धालुओं की भीड़, अलर्ट जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केदारनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ को देखते हुए भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने अपनी आपदा प्रबंधन टीमों को अलर्ट पर रखा है। आइटीबीपी के प्रवक्ता ने बताया कि उनका बल केदारनाथ मंदिर और केदारनाथ घाटी में तीर्थयात्रियों के दर्शन और उनके आवागमन को नियंत्रित कर रहा है। मंदिर में प्रतिदिन 20 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं और सोनप्रयाग, ऊखीमठ और केदारनाथ जैसे स्थानों पर केदारनाथ घाटी में आने-जाने वाले तीर्थयात्रियों की भीड़ बढ़ रही है। इन स्थानों पर आईटीबीपी की टीमें यात्रियों की आवाजाही पर कड़ी नजर रख रही हैं। उन्होंने कहा कि गत 6 मई को मंदिर के कपाट खोले जाने के बाद केवल एक सप्ताह में अब तक अनुमानत: 1 लाख 30 हजार से अधिक तीर्थयात्री केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी ने इलाके में अपनी आपदा प्रबंधन टीमों को भी अलर्ट कर दिया है। जगह-जगह ऑक्सीजन सिलेंडर और चिकित्सा उपकरणों के साथ मेडिकल टीमें तैनात की गई हैं और राज्य प्रशासन की मदद से मेडिकल इमरजेंसी और जरूरत पडऩे पर बीमार लोगों को निकालने का अभ्यास किया जा रहा है। उधर बद्रीनाथ मंदिर में भी बल की टीमें मंदिर और नागरिक प्रशासन को दर्शन के सुचारू संचालन और तीर्थयात्रियों के मंदिर परिसर में आवागमन आदि के प्रबंधन में मदद कर रही हैं। इस साल चार धाम यात्रा के शुरुआती दिनों में तीर्थयात्रियों की अभूतपूर्व संख्या देखी जा रही है, क्योंकि इसे दो साल बाद कोविड प्रतिबंध हटाने के बाद पूर्व की भांति श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश के साथ मौसम शुष्क बना रहा और अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है। विभाग के एक अधिकारी ने कहा, अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। श्रीनगर में आज न्यूनतम तापमान 14.1, पहलगाम में 7.3 और गुलमर्ग में 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख क्षेत्र में रात का न्यूनतम तापमान 5.5, लेह में 7.8 और कारगिल में 8.6 रहा। न्यूनतम तापमान जम्मू में 24.7, कटरा में 24.8, बटोटे में 16.5, बनिहाल में 14.8 और भद्रवाह में 12.3 रहा।

बिहार में राजद नेता की गोली मारकर हत्या

गोपालगंज (आरएनएस)। बिहार के गोपालगंज के मीरगंज थाना क्षेत्र में अज्ञात अपराधियों ने बीती रात राजद के एक नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के करीबी डॉ. राम इकबाल यादव की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए। हत्या के बाद इलाके में तनाव है। हत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस के मुताबिक, राजघाट गांव निवासी यादव रात को अपनी बाइक से एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे अपराधियों ने उनके घर के समीप ही ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी और फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पहुंच गए और आनन-फानन में राजद नेता को हथुआ अनुमंडलीय अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि राजद नेता को 3 गोलियां लगी थी। हथुआ के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) नरेश कुमार ने बताया कि पुलिस को लिखित शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है। हत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। इधर, घटना की सूचना के बाद बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता गांव पहुंचे हैं। क्षेत्र में तनाव का माहौल है। मृतक सारण प्रमंडल की राजद छात्र इकाई के अध्यक्ष होने के साथ ही तेजस्वी यादव के बेहद करीबी बताए जाते हैं।

दिल्ली की बिल्डिंग में लगी आग से 27 की मौत

नई दिल्ली

दिल्ली में मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास तीन मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग में शुक्रवार शाम आग लग गई। हादसे में 27 लोगों की जलकर मौत हो गई। अभी 10 लोग गंभीर घायल हैं। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर खिड़कियां तोड़ी और बिल्डिंग के अंदर फंसे कुछ लोगों को बचाया। आग लगने की सूचना शाम 4.40 बजे मिली थी। करीब 7 घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया। NDRF की टीम मौके पर पहुंच रही है।

इमारत की पहली मंजिल पर CCTV की फैक्ट्री और गोदाम है, इसमें लगी आग ने भीषण रूप धारण किया और पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्ट्री में काफी संख्या में मजदूर काम कर रहे थे। जगह काफी कंजस्टेड होने से रेस्क्यू ऑपरेशन में भारी परेशानी आई। इमारत में प्रवेश और निकास एक ही होने से बचाव कार्य जल्द शुरू नहीं हो सका। घायलों को संजय गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बिल्डिंग की तीन में से दो मंजिलों की सर्चिंग पूरी हो गई है। तीसरी मंजिल की सर्चिंग की जा रही है। दिल्ली के फायर डायरेक्टर अतुल गर्ग ने कहा कि अब तक 27 शव निकाल लिए गए हैं। इमारत में सामान काफी था। इस कारण आग बुझाने में काफी परेशानी आई।

30-40 लोग अभी भी फंसे- 30-40 लोग अभी भी इमारत के अंदर होने की जानकारी मिली है। बिल्डिंग में कई कंपनियों के ऑफिस थे। यहां से करीब 150 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। राहत और बचाव कार्य के लिए मौके पर 100 लोगों को तैनात किया गया है।

मौके पर 27 फायर ब्रिगेड वाहन मौजूद- इमारत की खिड़कियों से निकलते धुएं के बीच लोगों को JCB मशीन और क्रेन के सहारे नीचे उतारा गया, वहीं कुछ लोग रस्सी की मदद से भी नीचे आए। दिल्ली फायर सर्विस के डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर सुनील चौधरी ने बताया कि कुछ लोग खुद ही बिल्डिंग से कूद गए,जिससे वो घायल हो गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया है। आग का कारण शॉर्ट सर्किट होना बताया गया है।

फिलहाल, मौके पर 27 फायर ब्रिगेड वाहन मौजूद हैं, आग पर काबू कर लिया गया है। इसके साथ ही घायलों को तुरंत इलाज मुहैया कराने के लिए स्पॉट पर एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। पास के गांव के लोग भी मौके पर पहुंचे और लोगों को बचाने में मदद की।

दिल्ली पुलिस ने बिल्डिंग के मालिक को गिरफ्तार किया- दिल्ली पुलिस ने बताया कि मेट्रो स्टेशन के पिलर 544 के पास बनी यह इमारत एक 3 मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग है, जिसे ऑफिस स्पेस के तौर पर कंपनियों को किराए पर दिया जाता है। पुलिस ने बताया कि आग बिल्डिंग के पहले फ्लोर से शुरू हुई, जहां पर CCTV कैमरा और राउटर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है। पुलिस ने कंपनी के मालिकों हरीश गोयल, वरुण गोयल को गिरफ्तार कर लिया है।

इसलिए हादसे ने लिया बड़ा रूप- स्थानीय लोगों ने बताया कि बिल्डिंग में जगह कम थी और ज्यादा लोग काम कर रहे थे। ऐसे में जब आग भड़की तो अफरा-तफरी मच गई, जिससे लोग खुद से बचकर नहीं भाग पाए और हादसे के शिकार हो गए।यहां CCTV का गोदाम था। गोदाम में आग लगने से लपटें और भीषण हो गई, जिससे दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पीएम नरेंद्र मोदी और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने इस हादसे पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने कहा- लोगों की मौत से बेहद दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। गृहमंत्री अमित शाह ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि मैं लगातार अधिकारियों के संपर्क में हूं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी हादसे पर शोक जताया है।

एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच रही है।

पीएम रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की मदद देने का एलान किया गया है।

दिल्ली पुलिस ने घटनास्थल से संजय गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल से एक कॉरिडोर बना दिया है, जिससे घायलों को आसानी से अस्पताल तक पहुंचाया जा सके।

डीआरआई ने 8.38 करोड़ रुपए मूल्य का 15.93 किलोग्राम विदेशी मूल का सोना जब्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने सोने के संगठित तस्करी सिंडिकेट के खिलाफ महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए 12 मई 2022 को गुवाहाटी और दीमापुर में 15.93 किलोग्राम विदेशी मूल का सोना जब्त किया। इसका मूल्य 8.38 करोड़ रुपए है। सोने की यह तस्करी कोड नाम गोल्ड ऑन द हाइवे से की जा रही थी।

डीआरआई के अधिकारियों ने विशेष गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए माओ, मणिपुर से गुवाहाटी, असम जा रहे तेल के दो टैंकरों और एक ट्रक की कड़ी निगरानी की। इन वाहनों को 12 मई 2022 को तडक़े दीमापुर और गुवाहाटी के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के विभिन्न स्थानों पर एक साथ रोका गया।

राजस्व वर्ष 2021-22 में डीआरआई ने देश भर में अपनी कार्रवाइयों के दौरान 405 करोड़ रुपए मूल्य का 833 किलोग्राम सोना जब्त किया है। इसमें से पूर्वोत्तर राज्यों में डीआरई ने अत्यधिक संवेदी भारत-म्यामांर तथा भारत-बांग्?लादेश सीमा से तस्करी का 102.6 करोड़ रुपए मूल्य का 208 किलोग्राम सोना जब्त किया।

रोके गए वाहनों की गहन जांच के बाद 15.93 किलोग्राम वजन के सोने के 96 बिस्कुट जब्त किए गए, जिन्हें तीनों वाहनों के विभिन्न पूर्जों में होशियारी से छुपा कर रखा गया था। कार्रवाई में सिंडिकेट के पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और तीन वाहन जब्त किए गए हैं। आगे की जांच जारी है। डीआरआई द्वारा सफलतापूर्वक ऐसे जब्तियां करना उनके लिए बड़ा रोधक है जो भारत की आर्थिक सीमाओं के साथ समझौता करने का प्रयास कर रहे हैं। डीआरआई ऐसे अपराध करने वालों के विरुद्ध अपनी कड़ी कार्रवाई निरंतर रूप से जारी रखने के लिए संकल्पबद्ध है।

24 घंटे में भारतीय सेना ने लिया बदला, राहुल भट्ट के हत्यारे आतंकियों को मार गिराया

बांदीपोरा (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ के दौरान तीन आतंकियों को मार गिराया। मारे गए तीन आतंकियों में से दो कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट की हत्या में शामिल थे। वहीं, तीसरा आतंकी गुलजार अहमद है, जिसकी पहचान 11 मई को की गई थी।

बताया जा रहा है कि कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट की हत्या के बाद सुरक्षाबलों ने उनकी पत्नी मीनाक्षी से 48 घंटे के भीतर आतंकियों को मार गिराने का वादा किया था। हालांकि, सेना ने अपने इस वादे को 24 घंटे के अंदर ही पूरा कर दिया। बडगाम जिले की चडूरा तहसील में राजस्व अधिकारी के पद पर कार्यरत राहुल भट्ट की आतंकियों ने गुरुवार को दफ्तर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी थी।

दरअसल, जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के सालिंदर वन क्षेत्र में बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। दो अन्य भाग निकले थे। कश्मीर में पुलिस महानिरीक्षक के मुताबिक बुधवार को फरार हुए दोनों आतंकियों की जानकारी शुक्रवार को बरार इलाके में लगी। जिसके बाद सुरक्षाबलों ने बरार इलाके की घेराबंदी की और आतंकियों को पकडऩे के लिए तलाशी अभियान चलाया। इस स्पेशल ऑपरेशन में तीन आतंकी ढेर हो गए हैं।

बांदीपोरा में मारे गए दो आतंकियों की पहचान फैसल उर्फ सिकंदर और अबू उकासा के रूप में हुई है। फैसल पिछले साल 10 दिसंबर और 11 फरवरी को शहर के गुलशन चौक और निशात पार्क में आतंकवादी हैदर के साथ तीन पुलिसकर्मियों की हत्या में शामिल था। दोनों को संगठन आकाओं ने मध्य और दक्षिण कश्मीर में भेज दिया था जहां उन्होंने अपनी आतंकी गतिविधियों को जारी रखा।

सरकारी हेलीकॉप्टर क्रैश : ब्लैक बॉक्स से पता चलेगा हादसे का कारण

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एयरपोर्ट पर बीती रात बड़ा हादसा हुआ। यहां छत्तीसगढ़ सरकार का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया जिसके कारण इसमें सवार दो पायलट की मौत हो गई। जो हेलीकाप्टर क्रैस हुआ है उसे छत्तीसगढ़ सरकार ने 2007 में खरीदा था। 2007 में ही छत्तीसगढ़ सरकार एक हेली काप्टर मैना क्रैस हो गया था उसक बाद इस हेली काप्टर को खरीदा गया था। मौजूदा सीएम भूपेश बघेल भी इस हेलीकाप्टर से कई दौर कर चुके हैं।

हेलीकाप्टर प्रैक्टीस के दौरान क्रैस हुआ था। कैप्टन गोपाल कृष्ण पांडा और कैप्टन एपी श्रीवास्तव हेलीकाप्टर से फ्लाइंग प्रैक्टिस कर रहे थे और तभी यह हादसे का शिकार हो गया।

कैप्टन पांडा ओडिशा के रहने वाले हैं और वे कुछ सालों से छत्तीसगढ़ में सीनियर पायलट के रूप में काम कर रहे थे। वहीं कैप्टन श्रीवास्तव दिल्ली के रहने वाले थे। हादसे के बाद दोनों का अस्पतात पहुंचाया गया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

इधर जानकारी मिली है कि क्रैस हेलिकॉप्टर का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। संभावना जताई जा रही है कि ब्लैक बॉक्स से हेलीकाप्टर के क्रैस होने का कारण पता चल पाएगा। इसमें उस वक्त के मैसेज रिकार्ड होंगे जो हेलीकाप्टर क्रैस होने से पहले दोनों पायलट द्वारा दिए गए हों। जांच टीम इसके जरिए हादसे के कारणों का पता लगाएगी। वैसे अनुमान लगाया जा रहा है कि हेलीकाप्टर के इंजन में खराबी आने से यह क्रैस हुआ था। फिलहाल इस हादसे की जांच की जा रही है।

जो हेलीकाप्टर क्रैस हुआ है वह अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी का है। कंपनी इसे एक बेहतर हेलिकॉप्टर बताती रही है। कंपनी का कहना है कि इस हेलीकाप्टर को ऐसे क्षेत्रों में पहुंचने के लिए बनाया गया है जहां पहुंचना कठिन होता है। यह हेलिकॉप्टर 310 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से लगभग 10,000 फीट की ऊंचाई पर उडऩे की क्षमता रखता है। इस हेलिकॉप्टर में दो टरबाइन इंजन,ऑटो पायलट, बेहतर लैंडिंग सिस्टम, नेविगेशन, मौसम रडार सिस्टम जैसी सुविधाएं मौजूद थी। इसके बाद भी हेलीकाप्टर क्रैस हो गया।

गौरतलब हो कि 15 साल पहले छत्तीसगढ़ 14 जुलाई 2007 विमानन विभाग का यूरोकॉप्टर मैना क्रैस हो गया था। भोपाल से मरम्मत के बाद रायपुर के लिए रवाना हुआ हेलीकाप्टर मैना का संपर्क दोपहर बाद कट गया। इसके बाद इकी तलाश शुरू की गई थी। अब तक यह पता चल चुका था कि हेलीकाप्टर क्रैस हो चुका है। 17 जुलाई को हेलीकाप्टर के बारे में पता चला। छत्तीसगढ़ की सीमा से दो किलोमीटर दूर बालाघाट के लांजी तहसील में हेलीकाप्टर का मलबा मिला। बचार टीम पहुंची तो उन्होंने हेलीकाप्टर में सवार पायलट सहित सभी चारों के शव बरामद किए गए थे।

दाऊद गैंग पर एनआईए की बड़ी कार्यवाई, गैंगस्टर छोटा शकील के दो साथियों को दबोचा

मुंबई (आरएनएस)। दाऊद गैंग के खिलाफ नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों से जुड़े डी कंपनी के मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों गैंगस्टर छोटा शकील के करीबी बताए जा रहे हैं। गिरफ्तार सदस्यों की पहचान आरिफ अबुबकर शेख (59) और शब्बीर अबुबकर शेख के रूप में की गई है। एनआईए के बड़े अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए सदस्य डी-कंपनी की गैरकानूनी गतिविधियों को संचालित कर रहे थे। साथ ही मुंबई के पश्चिमी उपनगरों में आतंकवाद को फाइनेंस कर रहे थे।

अधिकारी के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों को एनआईए की विशेष कोर्ट में पेश किया जा सकता है। इसी हफ्ते की शुरुआत में एनआईए ने मुंबई कमिश्नरेट में 24 और मीरा रोड भयंदर कमिश्नरेट में पांच जगहों पर छापेमारी की थी।

अधिकारी ने कहा, हमने सबूतों के तौर पर कई सारे इलेक्ट्रोनिक गैजेट, रियल स्टेट से जुड़े कागजात, पैसे और हथियार बरामद किए हैं। ऐसे में अब हम एक-एक करके उन सभी को समन भेजेंगे जहां से उक्त सामान बरामद किए गए हैं और उनसे पूरे मामले में स्पष्टीकरण देने को कहेंगे।

जांच टीम के अधिकारियों के अनुसार छोटा शकील के साले सलीम कुरेशी उर्फ सलीम फ्रूट, महिम व हाजी अली दरगाह के मैनेजिंग ट्रस्टी सुहेल खंदवानी, बॉलीवुड निर्माता और 1993 के मुंबई बम धमाकों के आरोपी समीर हिंगोरानी, कथित हवाला ऑपरेटर अब्दुल कय्यूम, कथित सट्टेबाज से बिल्डर बने अजय घोसालिया उर्फ अजय गंडा, मोबिदा भिवंडीवाला, गुड्डू पठान और रेस्तरां मालिक असलम सरोदिया एनआईए की जांच के दायरे में हैं।

नासा के वैज्ञानिकों ने कर दिखाया, चांद से लाई गई मिट्टी में उगाया पौधा

न्यूयॉर्क । वैज्ञानिकों ने पहली बार चांद से लाई मिट्टी में पौधे उगाने में कामयाबी हासिल की है। कम्युनिकेशंस बायोलॉजी नामक पत्रिका में छपे एक शोध में बताया गया है कि अपोलो अभियान के दौरान अंतरिक्ष यात्री जो मिट्टी लाए थे, उसमें पौधे उगाने में सफलता मिली है। चांद से ये मिट्टी कुछ समय पहले नासा के अपोलो अंतरिक्ष यात्री अपने साथ लेकर आए थे। अब माना जा रहा है कि वैज्ञानिकों का अगला लक्ष्य चांद पर पौधा उगाना होगा।

पहली बार वैज्ञानिकों ने नासा के अपोलो अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा एकत्र किए गए चंद्रमा से मिट्टी में पौधे उगाए गए हैं। हालांकि शुरुआत में शोधकर्ताओं को यह मालूम नहीं था कि ठोस चंद्रमा की मिट्टी में कुछ भी उगेगा या नहीं और वे यह देखना चाहता था कि चांद पर खोजकर्ताओं की अगली पीढ़ी द्वारा इसका उपयोग किया जा सकता है या नहीं। हालांकि इन नतीजों ने उन्हें चौंका दिया।

फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के खाद्य और कृषि विज्ञान संस्थान के रॉबर्ट फेरल ने कहा, पौधे वास्तव में चंद्र के सामान पर उगे हैं। क्या आप मेरे साथ मजाक कर रहे हैं? फेरल और उनके सहयोगियों ने अपोलो 11 के नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन और अन्य मूनवॉकर्स द्वारा लाई गई चांद की मिट्टी में अरबिडोप्सिस का बीज लगाया। इसमें सारे बीज अंकुरित हो गए।

फेरल ने आगे कहा, 'अपोलो चंद्र रेजोलिथ में उगाए गए पौधे ट्रांसक्रिप्टोम पेश करते हैं, जो चांद को लेकर किए जा रहे तमाम रिसर्च को एक नई सकारात्म दिशा दे रहे हैं। इससे साबित होता है कि पौधे चांद की मिट्टी में सफलतापूर्वक अंकुरित और विकसित हो सकते हैं।'

चांद की मिट्टी को लूनर रेजोलिथ कहा जाता है, जो पृथ्वी पर पाई जाने वाली मिट्टी से मौलिक रूप से अलग होता है। अपोलो 11, 12 और 17 मिशनों के दौरान चांद से मिट्टी लाई गई थी, जिनमें ये पौधे लगाए गए थे।

नकारात्मक पक्ष यह रहा कि पहले हफ्ते के बाद, चांद की मिट्टी की खुरदुरापन और अन्य तत्वों ने छोटे, फूलों वाले खरपतवारों पर इतना जोर दिया कि वे धरती से नकली चंद्रमा की मिट्टी में लगाए गए पौधों की तुलना में अधिक धीरे-धीरे बढ़े। ज्यादातर चंद्रमा के पौधे खत्म हो गए। परिणाम कम्युनिकेशन बॉयोलॉजी में गुरुवार को प्रकाशित किए गए थे।

अपोलो के छह कर्मचारियों द्वारा सिर्फ 842 पाउंड (382 किलोग्राम) चंद्रमा की चट्टानें और मिट्टी वापस लाई गई थी। चांद से लौटने के बाद ह्यूस्टन में अपोलो अंतरिक्ष यात्रियों के साथ क्वारंटाइन के तहत पौधों पर सबसे पहले चंद्रमा की धूल छिडक़ी गई थी।

अधिकांश चंद्र छिद्र बंद ही रहे, जिससे शोधकर्ताओं को पृथ्वी पर ज्वालामुखीय राख से बनी नकली मिट्टी के साथ प्रयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ा। नासा ने आखिरकार पिछले साल की शुरुआत में फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं को 12 ग्राम दिया, और लंबे समय से प्रतीक्षित रोपण पिछले मई में एक प्रयोगशाला में हुआ।

नासा ने कहा कि इस तरह के प्रयोग का समय आखिरकार सही था, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी कुछ वर्षों में अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर वापस लाना चाहती है।फ्लोरिडा के वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि वे इस साल के अंत में चांद से लाई मिट्टी को रीसायकल करेंगे, संभवत: अन्य वनस्पतियों पर जाने से पहले अधिक थाले क्रेस का रोपण करेंगे।